बच्चों की गिनती बहुत पढ़ी होंगी आज खेलेंगे खेल- खेल में गिनती।

LIVEWORKSHEETS

आज सुनाती हूँ एक कहानी 'गिनती का खेल'

एक थे लाला करोड़ीमल। नाम तो था करोड़ीमल पर थे बड़े कंजूस। एक बार दुकान से लौटते समय उन्हें रास्ते में एक मिठाई की दुकान दिखाई दी। वहाँ जाकर उन्होंने देखा तो नारियल की बर्फी बड़ी ही स्वादिष्ट दिखाई दे रही थी। लाला ने पूछा ," भैया कैसे दिए यह नारियल की बर्फी।" दुकानदार ने कहा, ८०/ रूपए किलो। लाला थे तो कंजूस बोले, भैया क्या ५०/ रूपए में नहीं दोगे? दुकानदार बोला, "आगे बढ़ो कभी और दिन खा लेना नारियल के बर्फी" लाला ने सोचा घर चलता हूँ और पत्नी को कहता हूँ नारियल की बर्फी बनाने को।

घर पहुँचकर कंजूस लाला ने अपनी पत्नी से पूछा, "क्या तुम्हें नारियल की बर्फी बनानी आती है?" पत्नी ने कहा, "आती तो है, बस तुम मेरे लिए नारियल ला दो।" फिर क्या कंजूस लाला सोचने लगा कि अब तो मजा आ जाएगा। खूब नारियल की बर्फी खाऊँगा और बस यही सोचते-सोचते वह निकल गया बाज़ार। जैसे ही वह बाज़ार पहुँचा उसने एक दुकानदार से पूछा, "भैया नारियल कैसे दिए?" दुकानदार ने कहा, "५०/ रूपए का १।" तो उसने कहा, "कुछ कम करो २५/ का दे दो।"

LIVEWORKSHEETS

दुकानदार ने कहा, “बिल्कुल नहीं। अगर इतनी सस्ती चाहिए तो थोड़ा और आगे चले जाओ वहाँ मिल जाएगी तुम्हें इतनी सस्ती।” लाला ने सोचा अगर आधे पैसे में ही काम हो जाए तो क्या हर्ज है।” पर वह पहुँच गया ऐसी जगह जहाँ नारियल सस्ते में मिलते थे । वहाँ जाकर उसने एक दुकानदार से पूछा, “भैया नारियल कितने के दिए?” दुकानदार ने जवाब दिया, “२५/ के।” कंजूस लाला सोचने लगा २५/ रूपए? ये तो बड़े सस्ते हैं ।

LIVEWORKSHEETS

यहाँ पर भी कंजूस लाला ने दुकानदार से कहा, “क्या १५/ रूपए में दोगे?” दुकानदार ने कहा, “ना जी, ना ना। इतने सस्ते चाहिए न तो २ किलोमीटर और आगे चले जाओ वहाँ नारियल का बगीचा है। वहाँ मिल जाएँगे तुम्हें इतने सस्ते नारियल।” लाला सोचने लगा यह तो अच्छा है। १५/ रूपए में नारियल? ढेर सारे ले जाऊँगा ढेर सारी बर्फियाँ बनाऊँगा। यह सोचते-सोचते कंजूस लाला पहुँच गया नारियल के बगीचे । वहाँ जाकर उसने माली से कहा, “नारियल कैसे दिए?” माली ने कहा, “१५/ रूपए के।” कंजूस लाला बोला, “क्यों भाई १०/ में नहीं दोगे?” माली बोला, “लाला जी, नारियल पेड़ पर लगे हैं खुद ही तोड़ लो और ले जाओ १०/ रूपए में। फिर क्या था कंजूस लाला बड़ा खुश और चढ़ गया पेड़ पर और मन ही मन सोचने लगा। १० से कम तो नहीं ले जाऊँगा। खूब सारी बर्फियाँ बनवाऊँगा।

LIVEWORKSHEETS

पेड़ पर चढ़ना मुश्किल था फिर कंजूस लाला ने देखा एक व्यक्ति ऊँट ले कर जा रहा है। उन्होंने ऊँट वाले से कहा, “मैं तुम्हारी पीठ पर खड़ा होकर उन नारियलों तोड़ लेता हूँ।” ऊँट वाले ने कहा, “वह तो ठीक पर इसके बदले ने १२/ रूपए लूँगा।” कंजूस लाला ने कहा ठीक है और ऊँट की पीठ पर चढ़कर पेड़ तक पहुँच गया। जैसे ही उसने नारियल तोड़े और नीचे उतरने लगा ऊँट वहाँ से चल दिया और कंजूस लाला पेड़ पर लटक गया।

LIVEWORKSHEETS

तभी कंजूस लाला को एक घोड़े वाला जाता दिखाई दिया। लाला ने घोड़े वाले से कहा,“भैया जरा मुझे पेड़ से नीचे तो उतारो।” घोड़े वाले ने कहा, “इसके लिए तुम्हें मुझे १०/ रूपए देने होंगे।” कंजूस लाला ने कहा ठीक है।घोड़े वाला अपने घोड़े की पीठ पर चढ़कर कंजूस लाला को उतारने लगा जब वह कंजूस लाला को उतार रहा था तभी घोड़ा वहाँ से चलता बना और घोड़े वाला कंजूस लाला के पैर पकड़कर लटक गया। अब लाला के साथ-साथ घोड़े वाला भी लटका हुआ था। नीचे उतरना मुश्किल था तभी कंजूस लाला ने देखा एक गधे वाला वहाँ आया। उसने उस गधे वाले से कहा, भैया हमें नीचे उतार दो। गधे वाले ने भी कहा, “८/ रूपए लूँगा।” लाला ने कहा, “ठीक है भाई उतार तो दो।” फिर गधा भी वहाँ से चलता बना और गधे वाला भी घोड़े वाले का पैर पकड़कर लटक गया।

LIVEWORKSHEETS

अंत में वहाँ से एक बकरी वाला गुजरा कंजूस लाला के कहने पर वह सबको नीचे उतारने के लिए तैयार तो हो गया पर इसके बदले में उसने २०/ रूपए की माँग की। लाला को तो नीचे उतरना था तो उसने बकरी वाले की बात मान ली और फिर सब किसी तरह से नीचे उतरे। नीचे उतरने के चक्कर में कंजूस लाला पेड़ से नारियल तोड़ना ही भूल गया और खाली हाथ नीचे आ गया। अब बात यह हुई कि किसे कितना देना है । तो बच्चों कहानी यहाँ हुई खत्म और आपको बताना है कि कंजूस लाला को कितने रुपए देने थे और बदले में उसने कितने नारियल पाए? ध्यान रखिएगा अभी तक जो भी अंक यहाँ लिखे गए हैं उन सबको आपस में जोड़ना है और बर्फी की कीमत से घटा देना है। जरा पता तो कीजिए कंजूस लाला को कितना नुकसान हुआ।

LIVEWORKSHEETS

यह कहानी आपको कैसी लगी जरूर बताइएगा और साथ ही १ से लेकर १०० तक गिनती भी लिख डालिए ताकि कंजूस लाला के हिसाब में कोई गड़बड़ी न हो। ध्यान रखिएगा बच्चों लालच बुरी बला है ।

LIVEWORKSHEETS